DSSSB TGT & PGT
Part-B
SCHOLAR BATCH
संस्कृत
ध्वनि संबंधी महत्वपूर्ण नियम
LIVE 16-04-2024 05:00 PM

ध्वनि-नियम (Phonetic Laws)

ध्वनि - नियम

ध्वनि-नियम की परिभाषा —किसी भाषा - विशेष में किसी काल-विशेष में कुछ विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत हुए विशेष प्रकार के ध्वनि परिवर्तनों को ध्वनि-नियम कहते हैं।

उपर्युक्त परिभाषा में चार बातें ध्यान देने योग्य हैं

१. ध्वनि-नियम का सम्बन्ध किसी विशेष भाषा से ही होता है।
२. ध्वनि-नियम किसी काल- विशेष से संबद्ध होता है।
३. ऐसे ध्वनि - नियम किन्हीं विशेष परिस्थितियों में ही होते हैं ।
४. ध्वनि-नियम कुछ विशेष ध्वनियों को ही प्रभावित करता है।

विशिष्ट ध्वनि-नियम—यहाँ पर कतिपय विशिष्ट ध्वनि-नियमों का ही वर्णन किया जा रहा है। ये हैं

(१) ग्रिम-नियम **(Grimm's Law)**

(२) ग्रासमान - नियम **(Grassmann's Law)**

(३) वर्नर-नियम **(Verner's Law)**

(४) तालव्य-नियम **(Palatal Law)**

(५) मूर्धन्य - नियम **(Cerebral Law)**

(१) ग्रिम-नियम (Grimm's Law)

ग्रिम-नियम का संक्षिप्त इतिहास — यह ध्वनि - नियम प्रो० याकोब ग्रिम (Jacob Grimm, 1785-1863) के नाम से प्रसिद्ध है। इस नियम को 'ध्वनि-परिवर्तन' (जर्मन में Laut-verschiebung, लाउत-ध्वनि, फेशींबुंग-परिवर्तन, अंग्रेजी में Sound - shifting-साउन्ड-ध्वनि, शिफ्टिंग परिवर्तन) नाम दिया गया था । प्रो० मैक्समूलर (Max- Muller) ने इसे Grimm's Law (ग्रिम-नियम) नाम दिया है। प्रो० ओटो येस्पर्सन (Otto-Jespersen) का कथन है कि इस नियम को Rask's Law रास्क-नियम नाम दिया जाना चाहिए, क्योंकि यह नियम डैनिश विद्वान् रास्क ने ही सर्वप्रथम प्रामाणिक रूप में अपनी पुस्तक (Undersogelse) में

प्रकाशित किया था।' प्रो० ग्रिम ने इसके आधार पर ही इस नियम का विस्तृत वर्णन किया है। प्रो० ग्रिम ने १८२२ ई० में अपने जर्मन व्याकरण (Deustche Grammatik, दायत्श-जर्मन, ग्रामातिक-व्याकरण) का द्वितीय संस्करण निकाला था। उसमें इस नियम का विस्तार से वर्णन किया है। इस नियम की ओर पहले संकेत करने के विषय में प्रो० रास्क के अतिरिक्त प्रो० ईरे (Ihre) का भी नाम लिया जाता है।

ग्रिम-नियम दो भागों में विभक्त है।

१. प्रथम वर्ण - परिवर्तन (First sound shifting) — यह वर्ण - परिवर्तन ईसा के जन्म से पूर्व हो चुका था। इसका प्रभाव समान रूप से गाथिक, निम्न जर्मन और अंग्रेजी, डच आदि भाषाओं पर पड़ा है। भारोपीय मूलभाषा की व्यंजन ध्वनियाँ संस्कृत, लैटिन, ग्रीक आदि में सुरक्षित हैं। अंग्रेजी का उद्भव निम्न जर्मन से है, अतः इसके द्वारा संस्कृत और अंग्रेजी की तुलना से यह परिवर्तन स्पष्ट हो जाता है। इस वर्ण - परिवर्तन में एक ओर संस्कृत, लैटिन, ग्रीक, स्लावोनिक भाषाएँ हैं, इनमें मूल ध्वनि सुरक्षित है। दूसरी ओर गाथिक, निम्न जर्मन, अंग्रेजी, डच आदि भाषाएँ हैं, इनमें यह परिवर्तन हुआ है।

ग्रिम नियम

ई.पू. प्रथम परिवर्तन

मूल भारोपीय ध्वनियाँ
(संस्कृत, ग्रीक, लैटिन आदि

↓

जर्मन ध्वनियाँ
(डच, गॉथीक, अंग्रेजी आदि।

घ् ध् भ् | ग् द् ब् | क् त् प् (१)

(4) (3) (1)

द्वितीय परिवर्तन (सातवीं शताब्दी

↓

निम्न जर्मन

↓

उच्च जर्मन

↓

ग् द् ब् ख् थ्(ह) फ् क् त् प्

(3) 2 (१)

खर
घोष - क्ष!

प्रथम परिवर्तन

(घ् ध् भ् ग् द् ब् क् त् प्)

1,2 1,3,5 1,2 2,4

1. अघोष अल्पप्राण से अघोष महाप्राण

3,4,5 2,4 3,4,5 1,3,5

2. घोष महाप्राण से घोष अल्पप्राण

3. घोष अल्पप्राण से अघोष अल्पप्राण

3,4,5 1,3,5 1,2 1,3,5

घोष महाप्राण से घोष अल्पप्राण

घ् ध् भ् ग् द् ब्

घंस (हंस) → Goose

(भारोपीय भाषा का शब्द)

भ्राता → Brother (ब्रदर)

अघोष अल्पप्राण से अघोष महाप्राण

क् त् प् से ख् थ् फ्

उदा० त्रि → Three (थ्री)

(भारोपीय भाषा का शब्द)

पद → foot (फुट)

घोष अल्पप्राण से अघोष अल्पप्राण

ग् द् ब्   क् त् प्

गो   Cow

वर्ण-परिवर्तन का क्रम

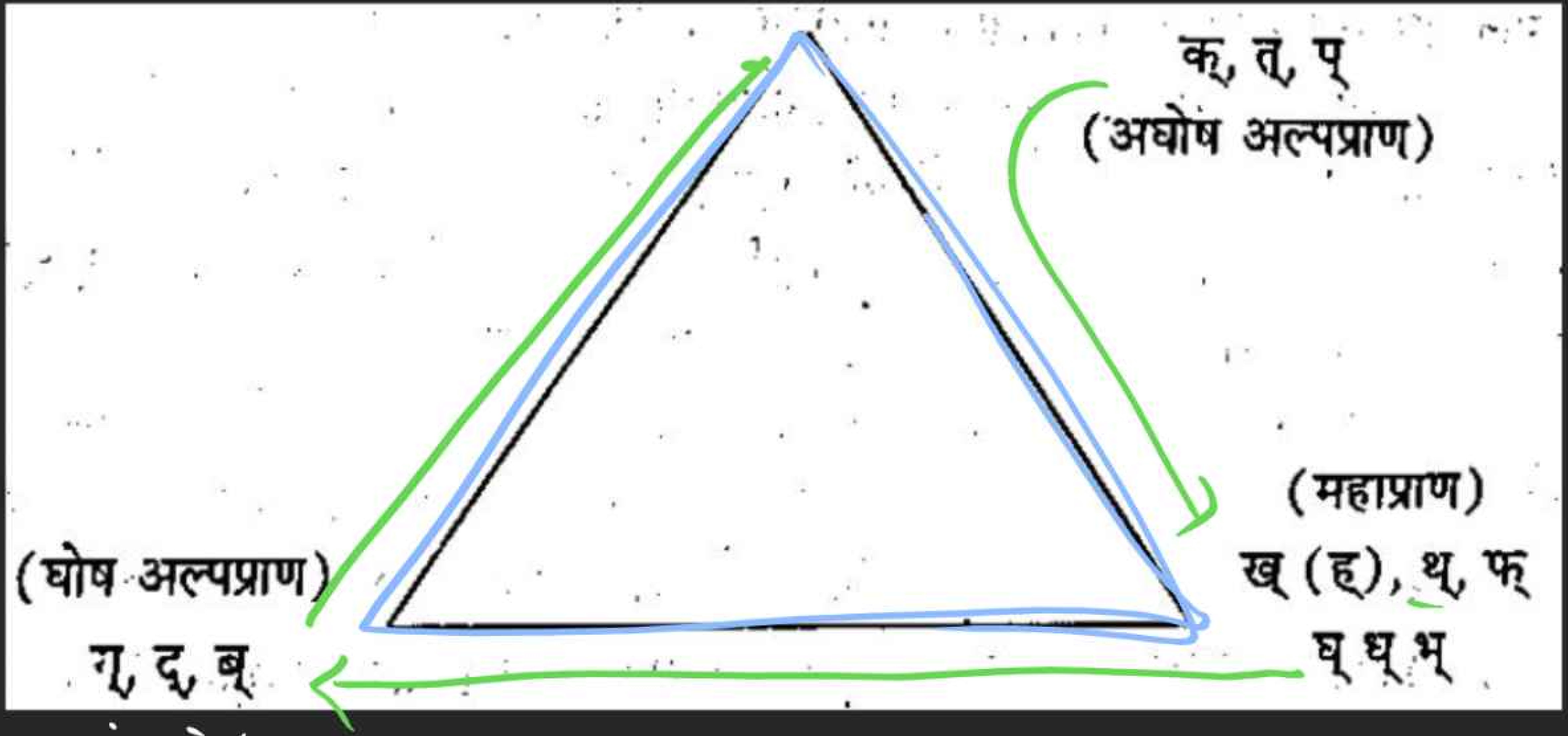

इस प्रकार प्रथमवर्ण-परिवर्तन में संस्कृत के प्रथम वर्ण को अंग्रेजी में द्वितीय वर्ण, और ४ को ३ तथा ३ को १ होता है ।

प्रथम ध्वनि-परिवर्तन के लिए ग्रीक और लैटिन को छोड़कर मूल भारोपीय भाषा की प्रतिनिधि संस्कृत को लेने पर तथा निम्न जर्मन की प्रतिनिधि अंग्रेजी को लेने पर यह नियम स्पष्ट होता है और इसकी उपयोगिता ज्ञात होती है ।

संस्कृत	अंग्रेजी
1 →	2
4 →	3
3 →	1

प्रथम वर्ण-परिवर्तन

ध्वनि-परिवर्तन	संस्कृत	अंग्रेजी	अर्थ
१. क् > ह् h, wh	कः	Who	कौन
2. त् > थ् th	कद (वैदिक) त्रि तनु तृण	What Three Thin Thorn	क्या तीन पतला काँटा
3. प् > फ f	पितृ पाद	Father Foot	पिता पैर

DSSSB TGT & PGT संस्कृत SCHOLAR BATCH

4. घ् (ह्) > ग् g	हंस (घंस) दुहितर् (दुघितर्)	Goose daughter	हंस पुत्री
5. ध् > द् d	विधवा धिति	Widow Deed	विधवा कार्य
6. भ् > ब् b	भ्रातर् भू भर् (भृ)	Brother Be Bear	भाई होना धारण करना
7. ग् > क् k	गो युग	Cow Yoke	गाय जुआ
8. द् > त् t	दशन् द्वौ	Ten Two	दस दो

	अद्	Eat	खाना
9. ब् > प् p	लब (फारसी) Kannabis (ग्रीक)	LIP Hemp	ओठ भाँग

जर्मानिक या ट्यूटानिक (जर्मन भाषा - परिवार) की सबसे प्राचीन भाषा गाथिक है। इससे ही उच्च जर्मन, निम्न जर्मन, अंग्रेजी आदि निकली हैं।

5. ग्रिमनियमानुसारेण तवर्गीयध्वनीनां परिवर्तनक्रमोऽस्ति-

(A) द> ध> ध> थ> थ> त

(B) त> थ > द> ध> ध> त

(C) थ > ध > त > द> ध> द

(D) त > थ > ध > द> द> त

6. ग्रिमनियमानुसारेण प्रथमवर्णपरिवर्तने तवर्गीय-ध्वनीनां कः परिवर्तनक्रमोऽस्ति ?

(A) त→थ, द, →त, ध→दं

(B) त→य, द→त, ध→द

(C) त→द, द→थ, थ→द

(D) त→थ, ध→न, द→थ

7. 'समीकरणम्' कस्य दिशा वर्तते?

(A) ध्वनिपरिवर्तनस्य

(B) रूपपरिवर्तनस्य

(C) अर्थपरिवर्तनस्य

(D) वाक्यपरिवर्तनस्य

ग्रिम-नियम

प्रसिद्ध जर्मन भाषा वैज्ञानिक ग्रिम द्वारा अपनी पुस्तक 'जर्मन भाषा का व्याकरण' के अन्तर्गत प्रस्तुत किये गए। इस पुस्तक का रचनाकाल सन् 1882 ई. के लगभग है। यह ध्वनि नियम दो भागों में बाँटा गया है जिनका नाम है-

(क) प्रथम वर्ण परिवर्तन

(ख) द्वितीय वर्ण परिवर्तन

आजकल 'ग्रिम' नियम में केवल प्रथम वर्ण परिवर्तन' को ही सम्मिलित किया जा रहा है। द्वितीय वर्ण परिवर्तन का क्षेत्र सीमित होने के कारण इसे ग्रिम नियम के अन्तर्गत नहीं रखा जा रहा है परन्तु हम इन दोनों प्रकार के ध्वनि - परिवर्तनों का अध्ययन - विश्लेषण करेंगे ।

प्रथम-वर्ण- परिवर्तन का सम्बंध मूल - यूरोपीय भाषा की - घ् घ्, भ्, द्, ब्, क्, त् प् इन नौ स्पर्श ध्वनियों (व्यंजनों) से है कि प्रागैतिहासिक काल में ही जब 'मूल योरोपीय भाषा से योरोपीय भाषा की उपर्युक्त नौ ध्वनियाँ - ध्, ध्, भ्, ग्, द, ब्, क्, त्, प् – संस्कृत ग्रीक लैटिन आदि कतिपय भारोपीय भाषाओं में तो उसी रूप में, अर्थात् अपरिवर्तित रहीं, किन्तु जर्मनिक या

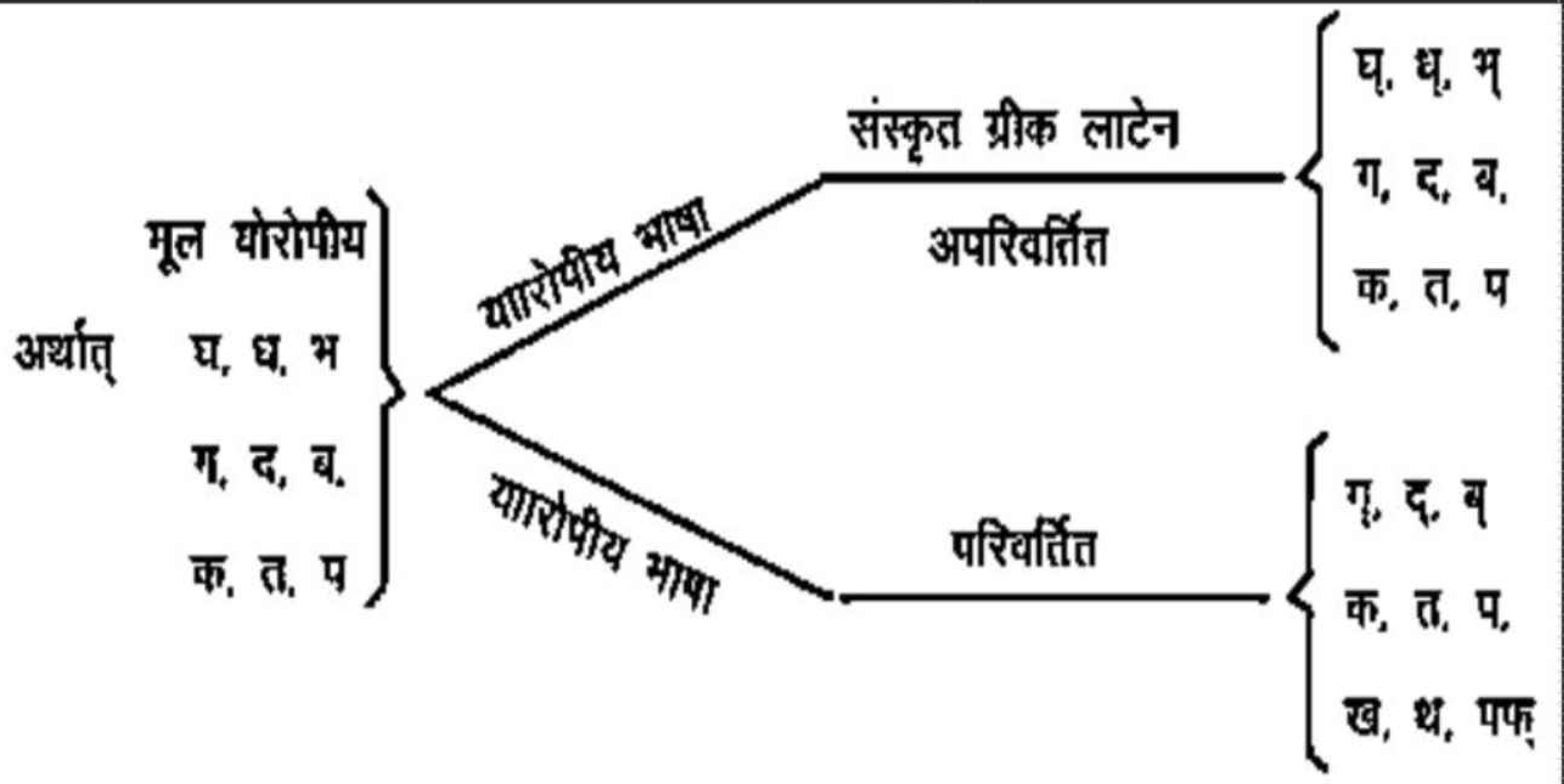
मूल योरोपीय
अर्थात् घ, ध, भ
ग, द, ब,
क, त, प
यारोपीय भाषा
यारोपीय भाषा
संस्कृत ग्रीक लाटेन
अपरिवर्तित
घ्, ध्, भ्
ग, द, ब,
क, त, प
परिवर्तित
ग्, द्, ब्
क, त, प,
ख, थ, पफ्

ग्रिम-नियम

मूल भारोपीय भाषा के स्पर्शो इस नियम का संबंध है जो जर्मन भाषा में परिवर्तित हो गए थे । यह वर्ण परिवर्तन दो बार हुआ । एक बार तो यह ईसा के कई सदी पूर्व हुआ था और दूसरा परिवर्तन जर्मन लोगों से ऐंग्लो सैक्सन लोगों के पथक होने के बाद लगभग 7वीं सदी में हुआ। दोनों बार के परिवर्तनों का कारण जातीय मिश्रण कहा जाता है ।

मूल भारोपीय भाषा के ये व्यंजन संस्कृत तथा ग्रीक आदि में सुरक्षित है। अतः उदाहरण के लिए संस्कृत या ग्रीक शब्द लिये जा सकते हैं। इसी

प्रकर परितवर्तित स्पर्शों को दिखलाने के लिए जर्मनिक वर्ग की अंग्रेजी भाषा के शब्द लिये जा सकते हैं:-

संस्कृत	अंग्रेजी

घ्, (ह) से ग् = हंस, दुहिता .... गूज (Goose) डॉ (ग) टर Daughter

क् = घ्, से द् (इ) विधवा, धूम .... विडो (Widow), डस्ट (Dust)

भू, से, ब् = भू, भ्रात .... बी (Be) ब्रदर (brother)

ग्, से, क् = गो योग .... काउ (Cow) योक (yok)

ख = द्, से त् (द) = द्वौ दशन् .... टू (Two), टेन (Ten)

ब्, से, प् = इसका संस्कृत में उदाहरण नहीं मिलता, आदि भाषा में स्लेड का अंग्रेजी में Slip 'स्लिप' बन जाता है ।

क, से, ख् (ह) = कद क; हाट (What) हू (Who)

ग = त्, से थ् = दंत, तनु, त्रि .... टूथ (Tooth), थिन (Thin), थ्री (three)

प्, से फा = पिता, पशु, पाद् .... फादअ (Father), फुट (Foot)

(ऊपर दिये गए उदाहरणों में कहीं-कहीं एक ही शब्द दो भाषाओं में दो अर्थ रखता दिखाई पड़ रहा है, परन्तु इसका यह अर्थ नहीं कि दोनों भिन्न-भिन्न शब्द हैं)

निम्न जर्मन ञ (अंग्रेजी) उच्च जर्मन

प् का फ = डीप (Ddeep), शीप (Sheep), टीफ़ (Tief), शाफ् (Schaf)

ट् का द् स् या स्स् = फूट (Foot), लेट (Let) फस्स (Fuss), लासेन (Lassen)

क् का ख् (ह) = योक (Yoke), याख (Joch)

ह का ब् = डोव्ह (Dove), टाउबे (Taube)